

लिंग

परिभाषा : लिंग शब्द का अर्थ होता है चिह्न या पहचान । व्याकरण के अन्तर्गत *लिंग* उसे कहते हैं , जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द के स्त्री या पुरुष जाति का होने का बोध होता है ।

प्रकार : हिन्दी भाषा में लिंग दो प्रकार के होते हैं -

(1) पुल्लिंग

(2) स्त्री लिंग

(1) पुल्लिंग : जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द की पुरुष जाति का बोध होता है , उसे पुल्लिंग कहते हैं । जैसे - गोविन्द , अध्यापक , मेरा , काला , जाता ।

(2) स्त्रीलिंग : जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द की स्त्री जाति का बोध होता है , उसे स्त्रीलिंग कहते हैं । जैसे - सीता , अध्यापिका , मेरी , काली , जाती ।

✽ लिंग की पहचान

लिंग की पहचान शब्दों के व्यवहार से होती है । कुछ शब्द सदा पुल्लिंग रहते हैं तो कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग । कुछ शब्द परम्परा के कारण पुल्लिंग या स्त्री लिंग में प्रयुक्त होते हैं ।

✽ 1 . पुल्लिंग संज्ञा शब्दों की पहचान

(i) प्राणिवाचक पुल्लिङ्ग संज्ञाएँ : पुरुष , आदमी , मनुष्य , लड़का , शेर , चीता , हाथी , कुत्ता , घोडा , बैल , बन्दर , पशु , खरगोश , गैडा , मेंढक , साँप , मच्छर , तोता , बाज , मोर , कबूतर , कौवा , उल्लू , खटमल , कछुआ ।

(ii) अप्राणिवाचक पुल्लिङ्ग संज्ञाएँ : निम्न संज्ञाएँ सदैव पुल्लिङ्ग में ही प्रयुक्त होती हैं ।

(अ) पर्वतों के नाम : हिमालय , विन्ध्याचल , अरावली , कैलास , आल्प्स ।

(आ) महीनों के नाम : भारतीय महीनों तथा अंग्रेजी महीनों के नाम जैसे - चैत , वैशाख , ज्येष्ठ , आषाढ़ , मार्च

(इ) दिन या वारों के नाम : सोमवार , मंगलवार , शनिवार ।

(ई) देशों के नाम : भारत , अमेरिका , चीन , रूस , फ्रांस , इण्डोनेशिया , (अपवाद) श्रीलंका (स्त्रीलिङ्ग)

(उ) ग्रहों के नाम : सूर्य , चन्द्रना , मंगल , शुक्र , राहु , केतु , अरुण , वरुण , यम , अपवाद (पृथ्वी)

(ऊ) धातुओं के नाम : सोना , ताँबा , पीतल , लोहा , अपवाद (चाँदी)

(ए) वृक्षों के नाम : नीम , बरगद , बबूल , आम , पीपल , अशोक , अपवाद (इमली)

(ऐ) अनाजों के नाम : चावल , गेहूँ , बाजरा , जौ , अपवाद (ज्वार)

(ओ) द्रवपदार्थों के नाम : तेल , घी , दूध , शर्बत , मक्खन , पानी , अपवाद (लस्सी , चाय)

(औ) समय सूचक नाम : क्षण , सेकण्ड , मिनट , घण्टा , दिन , सप्ताह , पक्ष , माह ,
अपवाद (रात , सायं , सन्ध्या , दोपहर ,) ।

(क) वर्णमाला के वर्ण : स्वर तथा क से ह तक व्यंजन , अपवाद (इ , ई ऋ) ।

(ख) समुन्द्रों के नाम : हिन्द महासागर , प्रशान्त महासागर

(ग) मूल्यवान पत्थर , रत्नों के नाम : हीरा , पुखराज , नीलम , पन्ना , मोती , माणिक्य ,
अपवाद (मणि , लाल) ।

(घ) शरीर के अंगों के नाम : सिर , बाल , नाक , कान , दाँत , गाल , हाथ , पैर , ओंठ , मुँह
अपवाद (गर्दन , जीभ , ऊँगली)

(च) देवताओं के नाम : इन्द्र , यम , वरुण , ब्रह्मा , विष्णु , महेश ।

(छ) आपा , आव , आवा , आर , अ , अन , ईय , एरा , त्व , दान , पन , य , खाना , वाला
आदि प्रत्यय युक्त शब्द : **यथा** - बुढापा , चुनाव , पहनावा , सुनार , न्याय , दर्शन , पूजनीय ,
चचेरा , देवत्व , फूलदान , बचपन , सौन्दर्य , डाकखाना , दूधवाला ।

(ज) ख , ज , न , त्र के अन्तवाले शब्द : **जैसे**- सुख , जलज , नयन , शस्त्र ।

★ 2 . स्त्रीलिंग संज्ञा शब्दों की पहचान

(क) तिथियों के नाम : प्रथम , द्वितीया , एकादशी , अमावस्या , पूर्णिमा ।

(ख) भाषाओं के नाम : हिन्दी , अंग्रेजी , उर्दू , जापानी , मलयालम ।

(ग) लिपियों के नाम : देवनागरी , रोमन , गुरुमुखी , अरबी , फारसी ।

(घ) बोलियों के नाम : ब्रज , भोजपुरी , हरियाणवी , अवधी ।

(च) नदियों के नाम : गंगा , गोदावरी , व्यास , ब्रह्मपुत्र ।

(छ) नक्षत्रों के नाम : रोहिणी , अश्वनी , भरणी ।

(ज) देवियों के नाम : दुर्गा , रमा , उमा ।

(ञ) महिलाओं के नाम : आशा , शबनम , रजिया , सीता ।

(ट) लताओं के नाम : अमर बेल , मालती , तोरई ।

(ङ) आ , आई , आइन , आनी , आवट , आहट , इया , ई , त , ता , ति , आदि प्रत्यय युक्त शब्द: यथा - छात्रा , मिठाई ठकुराइन , नौकरानी , सजावट , घबराहट , गुडिया , गरीबी , ताकत , मानवता , नीति ।

✽ लिंग परिवर्तन

✽ पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के कतिपय नियम

1. शब्दान्त ' अ ' को ' आ ' में बदलकर

छात्र - छात्रा

पूज्य - पूज्या

सुत - सुता

वृद्ध - वृद्धा

भवदीय - भवदीया

अनुज - अनुजा

2. शब्दान्त 'अ' को 'ई' में बदलकर

देव - देवी

पुत्र - पुत्री

गोप - गोपी

ब्राह्मण - ब्राह्मणी

मेंढक - मेंढकी

दास - दासी

3. शब्दान्त 'आ' को 'ई' में बदलकर

नाना - नानी

लड़का - लड़की

घोड़ा - घोड़ी

बेटा - बेटी

रस्सा - रस्सी

चाचा - चाची

4. शब्दान्त 'आ' को 'इया' में बदलकर

बूढ़ा - बुढ़िया

चूहा - चुहिया

कुत्ता - कृतिया

डिब्बा - डिबिया

बेटा - बिटिया

लोट - लुटिया

5. शब्दान्त प्रत्यय ' अक ' को ' इका ' में बदलकर

बालक - बालिका

लेखक - लेखिका

नायक नायिका

पाठक - पाठिका

गायक - गायिका

विधायक - विधायिका

6. ' आनी ' प्रत्यय लगाकर

देवर - देवरानी

चौधरी - चौधरानी

सेठ - सेठानी

भव - भवानी

जेठ - जेठानी

7. ' न ' प्रत्यय लगाकर

शेर - शेरनी

मोर - मोरनी

जाट - जाटनी

सिंह - सिंहनी

ऊँट - ऊँटनी

भील - भीलनी

8. शब्दान्त में 'ई' के स्थान पर 'इनी' - लगाकर

हाथी - हथिनी

तपस्वी - तपस्विनी

स्वामी - स्वामिनी

9. 'इन' प्रत्यय लगाकर

माली - मालिन

चमार - चमारिन

धोबी - धोबिन

नाई - नाइन

कुम्हार - कुम्हारिन

सुनार - सुनारिन

10. 'आइन' प्रत्यय लगाकर

चौधरी - चौधराइन

ठाकुर - ठाकुराइन

मुंशी - मुंशियाइन

11. शब्दान्त ' वान ' के स्थान पर ' वती ' लगाकर

गुणवान - गुणवती

पुत्रवान - पुत्रवती

भगवान - भगवती

बलवान - बलवती

भाग्यवान - भाग्यवती

सत्यवान - सत्यवती

12. शब्दान्त ' मान ' के स्थान पर ' मती ' लगाकर

श्रीमान् - श्रीमती

बुद्धिमान् - बुद्धिमती

आयुष्मान् - आयुष्मती

13. शब्दान्त ' ता ' के स्थान पर ' त्री ' लगाकर

कर्ता - कर्त्री

नेता - नेत्री

दाता - दात्री

14. शब्द के पूर्व में ' मादा ' शब्द लगाकर

खरगोश - मादा खरगोश

भेड़िया - मादा भेड़िया

भालू - मादा भालू

15 . भिन्न रूप वाले कतिपय शब्द

कवि - कवयित्री

वर - वधू

विद्वान - विदुषी

वीर - वीरांगना

मर्द - औरत

साधु - साध्वी

नर - नारी

बैल - गाय

राजा - रानी

पुरुष - स्त्री

भाई - भाभी/बहिन

बादशाह - बेगम

युवक - युवती

ससुर - सास

❀ विशेष

1 . तारा , देवता , व्यक्ति , आदि शब्द संस्कृत में स्त्रीलिंग होते हैं किन्तु हिन्दी में पुल्लिंग ।

2 . आत्मा , बूंद , देह , बाहू , आदि शब्द संस्कृत में पुल्लिंग हैं किन्तु हिन्दी में स्त्रीलिंग ।

3. संस्कृत में ' इमा ' प्रत्यान्तक शब्द यथा - महिमा , गरिमा , लघिमा , सीमा , आदि पुल्लिंग होते हैं । किन्तु हिन्दी में ये तत्सम शब्द होते हुए भी स्त्रीलिंग हैं ।

4. ' अ ' प्रत्यान्तक - जय , विजय , पराजय , संस्कृत में पुल्लिंग होते हैं किन्तु हिन्दी में स्त्रीलिंग ।

5. कृत और तद्धित प्रत्ययों से बने विशेषण या कर्तृवाच्य शब्द स्त्रीलिंग या पुल्लिंग शब्द के साथ यथावत ही प्रयुक्त होते हैं ।

जैसे -आकर्षक दृश्य या घटना । देदीप्यमान - प्रकाश या ज्योति । परिचित - पुरुष या महिला । धार्मिक - संगठन या संस्था । धर्मज्ञ - पुरुष या नारी

6. सर्वनाम में लिंग के आधार पर कोई परिवर्तन नहीं होता है ।

7. निम्न पदवाची शब्दों में भी लिंग परिवर्तन नहीं होता ।

राष्ट्रपति , प्रधानमन्त्री , मंत्री , डाक्टर , मैनेजर , प्रिंसिपल ।

नोट : यह पीडीऍफ़ विभिन्न स्रोतों से तथ्य एकत्रित कर बनायीं गयी है । यदि इसमें कोई त्रुटी पायी जाती है तो नॉलेज हब संचालक की जिम्मेदारी नहीं होगी ।

[Join Telegram Channel](#)

[Like Facebook Page](#)

WWW.KNOWLEDGEKAHUB.COM

